भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
***

विषय: मार्च, 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सार

भाग- I (अवर्गीकृत)

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

क. अंतरिक्ष परिवहन:

- पुनरुपयोगी प्रमोचक रॉकेट (आर.एल.वी. एल.ई.एक्स.-02) के दूसरे स्वायत्त रनवे अवतरण परीक्षण ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में स्थित डी.आर.डी.ओ. के वैमानिकी परीक्षण रेंज (ए.टी.आर.) में दिनांक 22 मार्च 2024 को हेलीकॉप्टर से छोड़े जाने के बाद अनामीय प्रारंभिक स्थितियों से आर.एल.वी. स्वायत्त अवतरण क्षमता का प्रदर्शन किया।
- सी.ई.20 ई.13 का दिनांक 26 मार्च 2024 को उच्च तुंगता परीक्षण स्थिति में 2.5 सेकंड की अवधि के लिए नोजल बंद किए बिना निर्वात प्रज्वाल परीक्षण सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। यह अंतरिक्ष में क्रायोजेनिक इंजन को फिर से शुरू करने की क्षमता के वैधीकरण के लिए परीक्षणों की श्रृंखला में पहला परीक्षण है।
- पी.एस.एल.वी. के चौथे चरण को पूरा करने वाले पी.एस.4 इंजन का तप्त परीक्षण, जिसमें नोजल विचलन कार्बन-कार्बन सामग्री से प्राप्त किया गया था, दिनांक 19 मार्च, 2024 को उच्च तुंगता परीक्षण सुविधा में 60 सेकंड की अवधि के लिए सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। कार्बन-कार्बन नोजल विचलन वर्तमान में प्रयोग की जा रही कोलंबियम मिश्रधातु (सी-103) की तुलना में लाभ प्रदान करता है, जो इस प्रकार हैं: कार्बन-कार्बन सम्मिश्र सामग्री द्वारा प्राप्त उन्नत तापमान क्षमता वर्तमान कोलंबियम मिश्रधातु (सी-103) मिश्र धातु की तुलना में उच्च विशिष्ट आवेग और 55% की दर से में द्रव्यमान में कमी लाती है, जिससे नीतभार में लाभ मिलता है।
- योज्य उत्पादन (ए.एम.) से प्राप्त एक एकांगी नोदक का 800 सेकंड की अवधि के लिए तप्त परीक्षण किया गया और हासिल किया गया प्रदर्शन संतोषजनक था। इंकोनेल - 625 पाउडर का उपयोग करके ए.एम. के माध्यम से पूरे नोदक का समुच्चयन पूरा किया गया।
- पी.एस.एल.वी.-सी.58 यान का चौथा चरण, जिसने 01 जनवरी, 2024 को आरंभ किए गए प्राथमिक मिशन को पूरा करने के बाद पी.एस.एल.वी. कक्षीय परीक्षण मॉड्यूल-3 (पी.ओ.ई.एम. -3) के रूप में कार्य किया, ने 21 मार्च, 2024 को पृथ्वी के वातावरण में सफलतापूर्वक प्रवेश किया है, जिसके परिणामस्वरूप पी.एस.एल.वी.-सी.58/एक्सपोसैट मिशन का कक्षा में कोई मलबा नहीं है।

ख. अंतरिक्ष अनुप्रयोग:

I. भू-प्रेक्षण:

- कृषि प्रौद्योगिकी परियोजना (राज्य सरकारों हेतु): मध्य प्रदेश के सात जिलों में ओलावृष्टि द्वारा आंशिक और गंभीर रूप से प्रभावित गेहूं और चना फसल क्षेत्रों का आकलन किया गया।

- मृदा संसाधन एटलस : मध्य प्रदेश के लिए तैयार किया गया और मध्य प्रदेश के लिए विभिन्न फसलों (गेहूं, सोयाबीन, सरसों, मक्का और चारा) के लिए मृदा उपयुक्तता मानचित्र भी तैयार किए गए।
- भारत के लिए उपग्रह-आधारित क्षेत्रीय वाष्पीकरण फ्लक्स मॉनीटरन प्रणाली का विकास (राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, एन.एच.पी.): (संपूर्ण भारत पर) वर्ष 2015 से 750 मीटर पर दैनिक वास्तविक वाष्पोत्सर्जन उत्पाद तैयार किया जाता है।
- 2.5 मीटर पोस्टिंग पर कार्टोडेम उत्पाद तैयार किया जाता है और लिडार एवं एल.एफ.डी.सी. डी.ई.एम. का संदर्भ के रूप में उपयोग करके गुणवत्ता मूल्यांकन किया जाता है।
- मुक्त एवं निःशुल्क डेटा एक्सेस सुविधा के तहत भुवन और भूनिधि से उपयोगकर्ताओं द्वारा 86,228 उपग्रह डेटा उत्पाद डाउनलोड किए जाते हैं।
- "एन.आर.एस.सी. द्वारा दिनांक 12-13 मार्च 2024 के दौरान "भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 - सतत विकास के लिए" विषय पर उपयोगकर्ता विचार-विमर्श बैठक 2024 का आयोजन किया गया था। दिनांक 18-19 मार्च 2024 के दौरान "पृथ्वी और उससे परे सुदूर संवेदन @2047" विषय पर "आई.आई.आर.एस. अकादमी बैठक 2024 का आयोजन किया गया।

II. आपदा प्रबंधन सहायता:

- एन.डी.ई.एम. वी.5.0: आंध्र प्रदेश राज्य के लिए बाढ़/चक्रवात भेद्यता और जोखिम की गणना के लिए एक नए मॉड्यूल का डिजाइन और विकास पूरा हो चुका है एवं एन.डी.ई.एम. डैशबोर्ड में एकीकृत किया गया है।
- डी.एम.एस.पी. के तहत उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, बदायूं और रामपुर जिलों को शामिल करते हुए 4100 कि.मी.^{2} से अधिक क्षेत्रफल में ए.एल.एस.80 संवेदक का उपयोग करके हवाई डेटा अधिग्रहण किया गया।
- 8 आई.आर.एस. डेटा उत्पादों को आपदा प्रबंधन सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय चार्टर में प्रसारित किया गया।

ग. समानव अंतरिक्ष उड़ान :

- जी.1 मिशन लोड के लिए अंतिम संरचनाओं में कर्मीदल बचाव प्रणाली (सी.ई.एस.) का एकीकृत संरचनात्मक योग्यता परीक्षण पूरा किया गया।
- एच.एल.वी.एम.3- एल.110 चरण यू.डी.एम.एच. टैंक संरचनात्मक अर्हता परीक्षण पूरा हुआ।
- कर्मीदल मॉड्यूल अप-राइटिंग प्रणाली सेकेंडरी उत्प्लव और सक्रिय समुद्र चिह्नक रंजक निष्काषन प्रणाली इंटरफेस उत्पादन गतिविधियों को जी.1 कर्मीदल मॉड्यूल पर पूरा किया गया।
- आई.एस.आई.टी.ई., बेंगलूरु में जी.1 मिशन के लिए कर्मीदल मॉड्यूल आगे की एकीकरण गतिविधियों के लिए प्राप्त हुआ।
- आई.ए.डी.टी.-01 के लिए लटकन भार परीक्षण पूरा हो गया। आई.ए.डी.टी.-01 कर्मीदल मॉड्यूल पर यांत्रिक इंटरफेस उत्पादन गतिविधियां पूरी की गईं।

- आई.ए.डी.टी.-01 चालक दल मॉड्यूल के लिए केबल हार्नेस मूल्यांकन प्रणाली (सी.एच.ई.एस.) पूरी की गई।
- निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों के लिए मीडिया विमर्श प्रशिक्षण और एमेच्योर रेडियो प्रशिक्षण पूरा किया गया।

घ. अंतरिक्ष विज्ञान:

- आदित्य-एल1 पर पी.ए.पी.ए. नीतभार ने प्रभामंडलीय द्रव्यमान निष्कासन (सी.एम.ई.) का पता लगाया है। इसके अलावा, किए गए अध्ययनों ने सौर चक्र 23 और 24 में प्रधार अन्योन्यक्रिया क्षेत्र में सौर वायु प्रोटॉन और अल्फा के व्यवहार पर नया दृष्टिकोण प्रदान किया है।
- बाह्य ग्रहों के वातावरण का अध्ययन करने के लिए एक स्वदेशी संख्यात्मक मॉडल बनाया गया है।
- वायुमंडल का रेडियो अन्वेषण विषय पर दिनांक 11-22 मार्च, 2024 के दौरान एन.ए.आर.एल. गादंकी में कार्यशाला आयोजित की गई।
- 22$^{वीं}$ राष्ट्रीय अंतरिक्ष विज्ञान संगोष्ठी (एन.एस.एस.एस. 2024) गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 के दौरान आयोजित की गई।

ड़. क्षमता निर्माण:

- सचिव, अं. वि./अध्यक्ष, इसरो ने 14 मार्च, 2024 को वी.एन.आई.टी., नागपुर में एस.टी.आई.सी. सेल का उद्घाटन किया।
- पिछले आठ महीनों के दौरान महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र में स्पेस ऑन व्हील्स अभियान के भाग के रूप में, नागपुर में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष, इसरो/सचिव, अं.वि. की उपस्थिति में समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।
- इसरो केंद्रों/यूनिटों के 70 इसरो तकनीशियनों के लिए विभिन्न विषयों पर इसरो तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.टी.टी.पी.) के 4 अंक आयोजित किए गए।
- माह के दौरान, 5 पेटेंट प्रदान किए गए और एक पेटेंट आवेदन आई.पी.ओ. में दायर किया गया।

च. प्रशिक्षण:

1	11-15 मार्च 2024 के दौरान "मृदा मानचित्रण हेतु सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस." पर एक सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम।	20 प्रतिभागियों के लिए आई.आई.आर.एस. में आयोजित
2.	मास्टर प्लान निर्माण को सक्षम करने के लिए भू-स्थानिक इनपुट पर दो सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम।	19 प्रतिभागियों के लिए आई.आई.आर.एस. में 08 मार्च, 2024 को पूरा किया गया
3.	"जल विद्युत परियोजनाओं में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का अनुप्रयोग" पर एक सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम।	20 प्रतिभागियों के लिए आई.आई.आर.एस. में 18-22 मार्च, 2024 के दौरान आयोजित किया गया।

छ. सुरक्षित और दीर्घकालीन अंतरिक्ष प्रचालन:

- 24 एल.ई.ओ. तथा 30 जी.एस.ओ. उपग्रहों के लिए सी.एस.पी.ओ.सी./यू.एस. स्पेसकॉम से 3570 संयोजन डेटा संदेश (सी.डी.एम.) के लिए दैनिक एस.ओ.पी.ए . (अंतरिक्ष पिंड निकटस्थ विश्लेषण) और निकटम उपगमन स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया गया। मार्च, 2024 में टकराव से बचने के लिए कोई युक्तिचालनों की आवश्यकता नहीं थी।
- वायुमंडल में पुनर्प्रवेश करने वाले 23 बड़े पिंडों के लिए पुनर्प्रवेश का पूर्वानुमान किया गया।
- एल.ई.ओ. लैब से 100 अंतरिक्ष ऑब्जेक्टों के लिए दैनिक रेडार अनुवर्तन डेटा को **नेत्रा** नियंत्रण केंद्र में इन-हाउस सॉफ्टवेयर द्वारा संसाधित और विश्लेषित किया गया था। संसाधित डेटा के लिए प्रारंभिक मूल्यांकन अच्छी परिशुद्धता प्रदर्शित करते हैं।
- 19 मार्च 2024 को बेंगलूरु में हनले, लद्दाख में **नेत्रा** दूरबीन के गुंबद के लिए फैक्ट्री स्वीकृति परीक्षण किया गया और स्वीकृत किया गया।
- ग्रहीय रक्षा पहल के भाग के रूप में, 7 - 8 मार्च, 2024 के दौरान माउंट आबू वेधशाला, पी.आर.एल. में 43 सेमी दूरबीन का उपयोग करते हुए भू-आधारित प्रकाशिक अनुवर्तन पर एस.एस.ओ.एम. का पहला व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया गया। दो ग्रहिकाओं का सफलतापूर्वक अनुवर्तन किया गया।

ज. <u>अंतरराष्ट्रीय सहयोग:</u>

- इसरो ने (i) नासा के साथ समानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग के लिए एक कार्यनीति ढांचे; (ii) बी.आर.आई.एन., इंडोनेशिया के साथ एकीकृत बियाक टी.टी.सी. स्टेशन के शीर्षक के हस्तांतरण; (iii) बी.आर.आई.एन., इंडोनेशिया के साथ एकीकृत बियाक टी.टी.सी. सुविधाओं का प्रचालन, रखरखाव और उपयोग; और (iv) सरकारी प्रौद्योगिकी एजेंसी, भूटान के साथ अंतरिक्ष सहयोग पर कार्रवाई की संयुक्त योजना के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए।
- द्वितीय भारत-फ्रांस कार्यनीति अंतरिक्ष परिसंवाद का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा 4 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में किया गया था। इस परिसंवाद का नेतृत्व भारतीय पक्ष के विदेश सचिव और फ्रांस की ओर से विदेश मंत्रालय के महासचिव ने किया। अंतरिक्ष विभाग के सचिव/इसरो के अध्यक्ष और फ्रांसीसी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष ने परिसंवाद में भाग लिया और अंतरिक्ष सहयोग पर चर्चा की।
- (i) लघु अवधि के समानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन (13 और 25 मार्च, 2024) में सहयोग पर चर्चा करने हेतु ई.एस.ए. और (ii) प्रस्तावित संयुक्त चंद्र मिशन (27 मार्च, 2024) पर चर्चा करने के लिए जे.ए.एक्स.ए. के साथ संयुक्त कार्य समूह की बैठकें आयोजित की गईं। भावी सहभागिता पर चर्चा करने के लिए प्रमोचक रॉकेट सहयोग पर एक इसरो – सी.एन.ई.एस. कार्यशाला का आयोजन (मार्च 21-22, 2024) किया गया।
- सचिव, अंतरिक्ष विभाग/अध्यक्ष, इसरो ने पेरिस, फ्रांस का (25 मार्च - 28 मार्च, 2024) दौरा किया और यूरोपीय और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसियों के नेतृत्वकर्ताओं के साथ चर्चा की। यात्रा के दौरान, उन्होंने ई.एस.ए. परिषद् में ई.एस.ए. सदस्य राज्य प्रमुखों को संबोधित किया और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्षयानिकी संघ (आई.ए.एफ.) की बैठकों में भी भाग लिया।

- निम्नलिखित विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने इसरो का दौरा किया: डेनिश उच्च शिक्षा और विज्ञान संसदीय समिति; बेवेरियन शैक्षणिक संस्थान; भारत में नॉर्वे के राजदूत; अवर सचिव, एम.टी.सी.आई.टी. और ओमान के प्रमुख-राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम; राज्य सचिव (राज्य मंत्री के समकक्ष) शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार, स्विट्जरलैंड; **नासा** एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. निकी फॉक्स; डॉ. स्वाति मोहन, **मार्स** प्रमोचन प्रणाली मुख्य अभियंता जे.पी.एल./नासा; और ऑस्ट्रिया के स्टैरियन प्रांत के अर्थव्यवस्था, पर्यटन, विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्रीय मंत्री।

झ. <u>इन-स्पेस गतिविधियाँ:</u>

- इन-स्पेस तकनीकी केंद्र: एन.जी.ई. के लिए तकनीकी लैब और को-वर्किंग स्पेस स्थापित और प्रचालनात्मक किया गया है। तकनीकी केंद्र का उद्घाटन 5 मार्च, 2024 को माननीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया था।
- मिशन तैयारी एवं प्रमोचन अनुमति समिति ने अग्निबान सार्टेड (एस.ओ.आर.टी.ई.डी.) की समीक्षा की और 22 मार्च, 2024 को प्रमोचन के लिए मंजूरी दी। हालांकि, प्रमोचन की उल्टीगिनती के दौरान देखी गई विसंगति के कारण प्रमोचन को पुनर्निर्धारित किया गया है। 06 अप्रैल, 2024 को अग्निकुल सार्टेड (एस.ओ.आर.टी.ई.डी.) का प्रमोचन पुनर्निर्धारित किया गया है।
- एस.एस.एल.वी. टी.ओ.टी. के लिए आर.एफ.पी. को अंतिम रूप दिया गया है और शार्टलिस्ट किए गए बोलीकर्ताओं को भेजा गया है।
- स्काईरूट की विक्रम-एस कक्षीय उड़ान के कलाम-250 मोटर पर स्थैतिक परीक्षण का एस.डी.एस.सी., शार में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- इन-स्पेस ने तमिलनाडु राज्य में अंतरिक्ष विनिर्माण क्लस्टर की स्थापना के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया है।
- पहली इन-स्पेस एस.पी.ए.सी. बैठक से विभिन्न प्रचार योजनाओं पर विचार-विमर्श किया और आगामी प्रक्रिया के लिए मंजूरी दी।
- (i) देश में उपग्रह के माध्यम से प्रदान की जा रही मौजूदा महत्वपूर्ण सेवाओं की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए, भारत में इनमारसैट-6 एफ.1 उपग्रह के एम.एस.एस. नीतभार में सी. और एल. बैंड क्षमता के प्रावधान के लिए मेसर्स इनमारसैट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को एक महीने की और अधिक अवधि के लिए बढ़ा दिया गया और (ii) 07 अप्रैल, 2024 तक एक महीने की और अधिक अवधि के लिए भारत भर में संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए केयू-केए बैंड एच.टी.एस. क्षमता के प्रावधान को सक्षम बनाने के लिए एस.ई.एस.-12 उपग्रह के प्राधिकरण हेतु मेसर्स ऑर्बिटकनेक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इन दोनों के लिए अनंतिम प्राधिकरण जारी किए गए।
- इन-स्पेस ने मेसर्स एच.ई.एक्स.20 लैब्स इंडिया प्रा. लिमिटेड को परामर्शी नोट जारी किया है, जिससे की वे प्रस्तावित भू-प्रेक्षण उपग्रह के लिए डी.ओ.टी .के डब्ल्यू.पी.सी. विंग के माध्यम से आई.टी.यू .फाइलिंग के लिए आवेदन करने में सक्षम बन सकें।

- पी.एस.एल.वी.-सी.60 के ऑनबोर्ड आगामी पोएम-3 के लिए इन-स्पेस द्वारा 11 एन.जी.ई. के होस्टेड नीतभारों का चयन किया गया है।
- इन-स्पेस ने 3 से 8 मार्च, 2024 तक समन्वित और उपग्रह प्रौद्योगिकी के ए. टू जेड. नामक एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम समन्वित एवं आयोजित किया। सैद्धांतिक भाग के अतिरिक्त उपग्रह प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक पहलुओं को कवर किया गया था। इस पाठ्यक्रम से शिक्षाविदों, स्टार्ट अप, उद्योगों और एसोसिएशन के प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

- इन-स्पेस को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कौशल विकास पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए एक पुरस्कार निकाय (द्वि) के रूप में मान्यता देने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.वी.ई.टी.) द्वारा आशय पत्र जारी किया गया।

ञ. एनसिल की गतिविधियाँ:

- पी.पी.पी. मॉडल के माध्यम से एल.वी.एम.3 उत्पादन के लिए अर्हता अनुरोध (आर.एफ.क्यू.) दस्तावेज़ तैयार किया जा रहा है।
- 15 एस.एस.एल.वी. के निर्माण के भाग के रूप में एनसिल ने 8 मदों के लिए निविदा जारी की।
- ऑनबोर्ड पी.एस.एल.वी. सी.-59 (अन्वेशा मिशन) पर सह-यात्री उपग्रहों के प्रमोचन के लिए एनसिल समन्वयन कर रहा है।
- एनसिल ने प्रयोक्ताओं को अपने टी.वी., डी.एस.एन.जी. और वी.एस.ए.टी. आवेदन को पूरा करने के लिए पांच आवृत्ति आबंटन पत्र जारी किए।
- एनसिल ने लाइव इवेंट प्रसारित करने के लिए सामयिक उपयोग के आधार पर टेलीपोर्ट प्रचालकों को पांच आवृत्ति आबंटन पत्र जारी किए।
- एनसिल एक विदेशी ग्राहक को प्रमोचक रॉकेट अनुवर्तन के लिए टी.टी.सी. सहायता प्रदान करने हेतु प्रक्रियारत है।
- सार्वजनिक निविदा के लिए समुद्री परिसंपत्ति मॉनीटरन के लिए भू-खंड हब की आपूर्ति, स्थापना, आयोग, प्रचालन और रखरखाव के लिए प्रस्ताव का अनुरोध (आर.एफ.पी.) जारी किया गया है।
- एनसिल ने **नाविक** प्राप्तकर्ताओं की प्रौद्योगिकी के लिए एस.सी.एल. के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- एनसिल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी सी.एस.आर. एवं एस.डी. पहलों के तहत चिह्नित परियोजनाओं/कार्यक्रमों को निष्पादित करने के लिए विभिन्न सी.एस.आर. भागीदारों के साथ 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

2. तीन महीने से अधिक समय से लंबित 'अभियोजन की स्वीकृति' के मामलों की संख्या: शून्य

3. आयोग ने सिफारिश की है कि लोक सेवकों के लिए लोक सेवकों का चयन उन मामलों का विवरण, जिनमें सरकार के व्यवसाय नियमों के लेन-देन या स्थापित नीति से प्रस्थान किया गया है: शून्य

4. चल रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):

सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, विभाग ने 1 से 15 फरवरी, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना तैयार की है और डी.डी.डब्ल्यू.एस. को सूचित किया है और उसे स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया है।

इस कार्य योजना के आधार पर, अं.वि./इसरो केंद्रों/यूनिटों/स्वा.नि./सी.पी.एस.ई. ने वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, आवासीय कॉलोनी के निवासियों, कें.औ.सु.ब. कार्मिकों आदि की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 से 15 फरवरी, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 मनाया गया। पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के फोटो स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए गए।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 के लिए स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कारों को भी शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जा रहा है।

5. स्वायत्त निकायों की स्थिति का युक्तिकरणः

ई.एम.सी. ने सिफारिश की है कि एन.ए.आर.एल. को सरकारीकृत किया जाए। एन.ए.आर.एल. के संबंध में समिति की सिफारिशों की समीक्षा की जा रही है।

विभाग के तहत आई.आई.एस.टी., पी.आर.एल., एन.ए.आर.एल. और उ.पू.-सैक जैसे सभी स्वायत्त निकायों को ट्रेजरी सिंगल अकाउंट (ट्रेजरी एकल खाता) के तहत लाया गया है।

6. स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:

अंतरिक्ष विभाग से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति ए.वी.एम.एस. पर अद्यतन की गई है। दिनांक 31.03.2024 तक की रिक्ति के अद्यतन की स्थिति निम्नवत है:

- ए.वी.एम.एस. पर दर्ज किए जाने के लिए आवश्यक पदों की कुल संख्या: - 24
- आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या: - 19
- आज की तारीख में पूरी तरह से रिक्त पदों की संख्या: - 05
- समय से पहले प्रत्यावर्तन के तहत पदों की संख्या – 00
- अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के तहत पदों की संख्या: - 02
- अगले 06 महीनों के दौरान रिक्त पदों की संख्या: - 03

7. उन मामलों की सूची, जिनमें ए.सी.सी. निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है: - शून्य

* * *